24 JANUARY THURSDAY

COURSE-6

शिक्षा के अनौपचारिक अभिकरण के रूप में जाति (Caste as an informal Agency of Education)

जाति के लिए अंग्रेजी भाषा में 'कास्ट' (Caste) शब्द प्रयुक्त किया जाता है, जिसका अर्थ होता है - प्रजाति, जन्म या नस्ल।

Caste के लिए लैटिन में 'Casts' शब्द प्रयुक्त होता है, जिसका अर्थ होता है - विशिष्ट, अभिश्रित या प्रजाति।

इस प्रकार जाति से तात्पर्य है - वंशानुक्रमण (Heredity) पर आधारित एक विशेष सामाजिक समूह।

सी० एच० कूले के अनुसार - "जब कोई वर्ग पूर्णतया वंशानुगत हो जाता है तो इसे जाति कहते हैं।"

ई० ए० गेट के अनुसार - "जाति को एक अन्तर्विवाह वाले समूह अथवा ऐसे समूहों के संकलन के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जिसका एक सामान्य नाम तथा समान परम्परागत व्यवसाय होता है जो एक ही स्रोत से उत्पन्न होने का दावा करते हैं और सजातीय समुदाय का निर्माण करने वाले समझे जाते हैं।"

लैंगिकता हेतु शिक्षा तथा जाति की भूमिका :- (Role of Education and Caste for Gender)

जाति सामाजिक स्तरीकरण तथा सामाजिक नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती है। अतः स्त्रियों की दीन-हीन तथा दशा को सुधारने, उनके प्रति होने वाले भेदभावपूर्ण व्यवहार को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकती है।

2019

लैंगिक भेदभावों के सन्दर्भ में जाति की भूमिका

Scanned with CamScanner

का आंकलन निम्नलिखित बिन्दुओं के अन्तर्गत द्रष्टव्य है :-

1.) नीतिगत आरक्षणों का लाभ महिलाओं तक पहुँचाया जाये जिससे उनकी स्थिति में सुधार हो सके।

2.) लैंगिक भेदभावों को दूर करने के लिए स्त्रियों में आत्मविश्वास भरें और प्रत्येक क्षेत्र में आगे आने हेतु प्रेरित करें।

3.) बालिका शिक्षा तथा उनके प्रति सकारात्मक सोच का विकास

4.) महिलाओं का आदर करना, केवल अपनी ही जाति की नहीं अपितु सभी जातियों की।

5.) बालिकाओं को सुरक्षात्मक वातावरण प्रदान करना।

6.) कन्या भ्रूण हत्या, दहेज, बाल-विवाह इत्यादि महिलाओं से जुड़ी कुरीतियों, जिससे उनकी प्रतिष्ठा को आघात पहुँचता है, का विरोध करना।

7.) महिलाओं को, आर्थिक रूप से सशक्त करने हेतु महिला स्वयं समूहों का निर्माण करना।

8.) महिलाओं को व्यापार तथा रोजगार और श्रम में सहभागी बनाकर उनको पुरुषों के समकक्ष लाना।

9.) संगठित होकर महिलाओं की उन्नति के लिए व्यापक योजनाओं तथा उनको धरातल पर उतारने की माँग करना।

10.) महिलाओं से सम्बन्धित सरकारी तथा निजी स्तर पर चलायी जाने वाली योजनाओं में यथासम्भव सहायता देना।

11.) बालकों तथा पुरुषों में महिलाओं के समुचित दृष्टिकोण तथा अभिवृत्ति का निर्माण करना।

12.) प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान देना।

Scanned with CamScanner

13.) जाति विशेष अपनी व्यवस्था में व्याप्त रूढ़िवादी तथा महिलाओं को ठेस पहुँचाने वाली परम्पराओं का त्याग कर लैंगिक भेदभावों को कम करना है।

14.) सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक दायित्वों और उनके संरक्षण में स्त्रियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। अतः स्त्रियों को आगे बढ़ने हेतु यथासम्भव मदद देना।

15.) सभाएँ, मेलों, नुक्कड़ नाटकों, कठपुतली नृत्य तथा गीतों इत्यादि के द्वारा महिलाओं की समानता हेतु प्रयास करना।

16.) विद्यालयों की स्थापना कर विभिन्न जातियों को शिक्षा तथा विशेषतः स्त्रियों की शिक्षा की स्थापना का प्रयास करना चाहिए।

17.) उत्साही महिलाओं, बालिकाओं तथा युवकों को संगठित कर महिलाओं के उत्थान तथा समानता हेतु कार्य कराना।

18.) महिलाओं को पुरुषों के समान ही संवैधानिक अधिकार प्राप्त हैं, अतः उनके प्रति किसी भी प्रकार का भेदभाव असंवैधानिक है, इस बात को प्रसारित करना।

19.) सरकार तथा प्रशासन पर लैंगिक भेदभावों की समाप्ति हेतु दबाव डालना।

20) परस्पर जातियों से वार्ता तथा सहयोग की स्थापना कर लैंगिक भेदभावों को समाप्त करने के प्रयास करना।

Scanned with CamScanner